आजु सखि राखी को त्यौहार

आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

चलु वृंदावन, रसिक जनन धन,
राखिन बध बलिहार, आजु सखि,
आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

निरखु नीलमणि नील करन कस,
मणिमय राखिन धार, आजु सखि,
आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

और और बधावन ललचत,
निरखु दया दरबार, आजु सखि,
आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

लाली हंसती ललन ललचन लखि,
लखि उन करन पसार, आजु सखि,
आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

कोटि कोटि सखियन उन बांधती,
जिन वश मुक्तिहुं चार, आजु सखि,
आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

प्रियदर्शी अलि नित्य मुक्त बलि,
बन्धन नेह निहार, आजु सखि,
आजु सखि, राखी को त्यौहार ।

Shweta Pandey (Varanasi)
"मधुर भजन बेला"

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28442/title/aaju-sakhi-rakhi-ko-tayohar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |